गणतंत्र दिवस: बिहार की झाँकी

चर्चा में क्यों?

गणतंत्र दिवस परेड में बिहार की झाँकी में क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया, जिसमें प्रतीकात्मक रूप से **प्रतिष्ठित बोधि वृक्ष** और प्रसिद्ध **नालंदा विश्वविद्यालय को दर्शाया गया।**

- प्रदर्शन में **बिहार की ऐतिहासिक पहचान को 'बुद्ध की भूमि'** और **प्राचीन ज्ञान के केंद्र के रूप में उजागर किया गया।**

//

मुख्य बिंदु

- **बिहार की झाँकी:**
  - बिहार की झाँकी ने **आठ वर्ष के अंतराल के बाद कर्तव्य पथ** पर 76वें गणतंत्र दिवस परेड **में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।**
  - झाँकी का **केंद्रीय विषय 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' था और इसमें प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय** के खंडहरों को प्रमुखता से दिखाया गया था।
  - झाँकी में **भगवान बुद्ध** की ध्यानमग्न **धर्मचक्र मुद्रा में स्थापित प्रतिमा को दर्शाया गया,** जो शांति और सद्भाव का प्रतीक है। प्रतिमा का मूल स्थान **राजगीर में घोड़ा कटोरा जलाशय है।**
  - बिहार की झाँकी ने **राज्य की ज्ञान और शांति की परंपरा को उजागर किया तथा ज्ञान, मोक्ष और शांति की भूमि** के रूप में इसकी ऐतिहासिक पहचान पर ज़ोर दिया गया।
- **ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का चित्रण:**
  - झाँकी में **बोधगया के पवित्र बोधि वृक्ष,** जहाँ **भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था** और **सम्राट कुमारगुप्त द्वारा 427 ई. में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय के प्राचीन खंडहरों का चित्रण शामिल था।**
  - झाँकी ने **विश्व के पहले आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय की भूमिका पर ज़ोर दिया,** जो **ज्ञान का वैश्विक केंद्र था, जो चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत और अन्य स्थानों से विद्वानों को आकर्षित करता था।**
- **भित्ति चित्र और आधुनिक नवाचार:**
  - झाँकी के पार्श्व पैनल पर भित्तिचित्रों में **चंद्रगुप्त मौर्य** के मार्गदर्शक **चाणक्य के योगदान को दर्शाया गया है** तथा प्राचीन वैदिक

सभाओं के दृश्यों को दर्शाया गया है, जिसमें लोकतांत्रिक शासन और न्यायिक प्रणालियों को दर्शाया गया।
- एक अन्य भित्तिचित्र में **'गुरु-शिष्य' परंपरा तथा गणित में आर्यभट्ट** के योगदान पर प्रकाश डाला गया।
- एक LED स्क्रीन पर **नवनिर्मित नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय परिसर को प्रदर्शित किया गया,** जिसे कार्बन-तटस्थ और शुद्ध-शून्य स्थिरता लक्ष्यों के साथ डिज़ाइन किया गया है, जो आधुनिक शैक्षिक प्रगति को दर्शाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bihar-tableau-at-republic-day